[redacted]

23 I A - With the permission by S.D.O. Simdega vide Case No. 337/2014-15 order dt. 29.7.15

30.7.15

30.7.15

हस्ता० नि० शंकर प्रधान
ता० 30/7/2015

§1§ लेखयकारी:- श्री शंकर प्रधान पिता स्व० एतवा प्रधान जाति- भोगता, पेशा- खेतीबारी, निवास गाँव- गोतरा भोगता टोली, थाना- सिमडेगा, जिला- सिमडेगा ।

...... बिक्रेता ।

शपथ-पत्र संख्या:- 414/2015 ——

लेखयधारी:- श्री शंभुनाथ प्रधान पिता स्व० सिकन्दर प्रधान जाति- भोगता, पेशा- नौकरी, निवास गाँव- टभाडीह, थाना- सिमडेगा, जिला- सिमडेगा ।

.. भारतीय नागरिक .. क्रेता ।

शपथ-पत्र संख्या:- 415/2015 ——

सुखमनी प्रधान
पिता स्व० माधु प्रधान
थाना + जिला सिमडेगा
30.7.15

{3} लेखप्रकारः-विक्रय पत्र केवाला बेला कलामी पुत्र पुत्रादिक सदा दिन वास्ते बिक्री होता है ।

{4} मूल्यः- मोबलिग तीन लाख रूपये अंके 3,00,000/- रूपये होता है ।

{5} सम्पतिः- एराजियात 0.08 एकड़ खतियानी रैयती मेंय दखली जमीन वाके मौजा- गोतरा भोगताटोली, थाना- सिमडेगा, थाना नं0 80, सदर रजिस्ट्री ऑफिस वो जिला- सिमडेगा के खाता नं0 12 {बारह} प्लॉट नं0 4835 {अड़तालिस सौ पैंतीस} रकबा 0.47 एकड़ में से 0.08 एकड़ {आठ डिसमिल}

जिसकी चौहद्दीः-

उत्तरः- इसी प्लॉट का अंश नीज बिक्रेता टांड़,

दक्षिणः- इसी प्लॉट का अंश नीज बिक्रेता टांड़,

पूरबः- पक्की सड़क,

पश्चिमः- बानु खड़िया का टांड़ एवं नीजबिक्रेता का टांड़ ।

मालगुजारी 5 पैसा {पाँच पैसा} अलावे सेस सालाना ।

वर्णित बिक्रीत जमीन आवासीय है जिसपर मकान नहीं बना है तथा किसी प्रकार का संरचना नहीं है ।बिक्रीत जमीन रिहयशी इलाका से दूर है।

{1} चूँकि मुख्य लेखयकारी को मकान बनाने हेतु रूपयों की आवश्यकता है और इस समय बिना जमीन बेचे रूपया मिलने का

दूसरा कोई उपाय नहीं पाकर मैंने लेखयधारी से मेरी जमीन को खरीदने का प्रार्थना किया जिसे उन्होंने जमीन खरीदना एवं रुपये देना स्वीकार किया ।

§2§ इसलिए मैंने अपनी इच्छा से शरीर वो मन की स्वस्थता में रहकर उपर खाना संख्या पाँच में वर्णित जमीन को उपर्युक्त लेखयधारी के हाथ नगद कीमत चुकता पाकर बेचा वो बेची गई जमीन का कुल हक दखल वो अधिकार उक्त लेखयधारी वो उनके उत्तराधिकारियों के हाथ सदा दिन के लिए हस्तान्तरित कर दिया । अब से बेची गई जमीन पर न मेरा कोई हक सरोकार रहा और न मेरे किसी उत्तराधिकारी या स्थानापन्न का कोई हक सरोकार रहा और न आइन्दा रहेगा ।

§3§ मैं प्रतिज्ञा करता हूँ कि बिक्रीत जमीन हमारी खतियानी जमीन है जो आर.एस. में धाधु भोगता वगैरह के नाम से है । धाधु भोगता की मृत्यु हो गई उसे दो पुत्र हुए हौड़ा भोगता वो एतवा भोगता दोनों भाईयों के बीच जमीनों का मौखिक बँटवारा हो गया है । बिक्रीत जमीन एतवा भोगता को हिस्से में मिली है । एतवा भोगता की मृत्यु हो गई है जो मेरे पिता थे उसका एकमात्र पुत्र मैं §लेखयकारी§ हूँ । तथा बिक्रीत जमीन मुझे उत्तराधिकारी के हैसियत से प्राप्त हुई है । हौड़ा भोगता को भी मृत्यु हो गई है उसे एक पुत्र दुबराज प्रधान है । बिक्रीत जमीन पर मेरा शांतिपूर्ण दखल कब्जा है जिसपर किसी तरह का झगड़ा झंझट नहीं है । बिक्रीत खाता की जमीनों का मालगुजारी दुबराज भोगता वगैरह के नाम से दिया जाता है ।

टं० कि० शंकर प्रधान
वा० 32 नगर महती
ता० 30/7/2015

(4) चूँकि हम उभय पक्ष आदिवासी समुदाय के सुरक्षित सदस्य हैं अतः जमीन खरीद बिक्री हेतु अनुमति के लिए न्यायालय श्रीमान् उप समाहर्त्ता भूमि सुधार, सिमडेगा के न्यायालय में छोटानागपुर काश्तकारी अधिनियम की धारा 46 के तहत आवेदन दिया जिसका वाद संख्या 337/2014-15 है जिसकी स्वीकृति दिनांक 29.7.15 को प्राप्त हुई एवं जिसका मेमो नं0 519(11) दिनांक 29.7.2015 है ।

(5) अब चाहिए कि लेख्यधारी अपनी जमीन पर काबिज वो दखलकार होकर मकान, शहन, कुँआ, बारी इत्यादि बनाकर अपने उपयोग में लावें वो झारखण्ड सरकार बजरिये अंचल अधिकारी, सिमडेगा के कार्यालय से अपने नाम पर दाखिल खारिज कराकर तारीख लेख्य से वो अदाय मालगुजारी के रसीद खास नाम से हासिल किया करें ।

(6) इसलिए यह विक्रय पत्र केवाला बैला कलामी सदा दिन के लिए लिख दिया कि प्रमाण रहे वो वक्त जरूरत पर काम आवे ।

मैं, घोषणा करता हूँ कि विक्रय वाली जमीन भू-हदबन्दी, कैसरे हिन्द, खास महल, भू-दान, सैरात, लीज, आम गैर मजरूआ से सम्बन्धित नहीं है ।

हस्त नि० शंकर प्रसाद
का० 3528/ ...
ता० 30/7/2015

मैं लेख्यकारी यह घोषणा करता हूँ कि बिक्रीत जमीन वो बचत जमीन सिलिंग के अन्तर्गत नहीं आता है ।

टेजा नि० शंकर प्रधान
बा० उदेश्वर महतो
ता० 30/7/2015

प्रमाणित किया जाता है कि लेख्यकारी श्री शंकर प्रधान के बायें हाथ के पांचो अंगुलियों का छाप मेरे समक्ष लिया गया है।

विक्रय वाली जमीन दिहाती
परिया है जमीन 25 पर है
पुरब के पश्चिम सड़क मात्र 8 कोई

Sita Ram Mahto
Advocate
30.7.15

मैं लेख्यधारी यह घोषणा करता हूँ कि पूर्व में धारित जमीन वो खरीदगी के बाद कुल धारित जमीन सिलिंग के अन्तर्गत नहीं आता है ।

शम्भु नाथ प्रधान
30.07.2015

प्रमाणित किया जाता है कि लेख्यधारी श्री शम्भुनाथ प्रधान के बायें हाथ के पांचो अंगुलियों का छाप मेरे समक्ष लिया गया है।

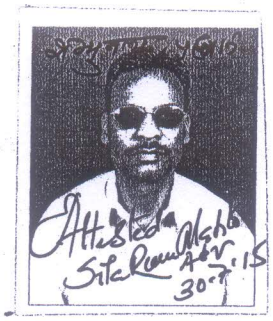

Sita Ram Mahto
Advocate
30.7.15

टेजा नि० शंकर प्रधान
बा० उदेश्वर महतो
ता० 30/7/2015

उभय पक्षों के कहे अनुसार इस विक्रय पत्र दस्तावेज का प्रारूप तैयार किया एवं उनको गवाहों के समक्ष पढ़कर सुना वो समझा दिया जिसे उन्होंने स्वीकार किया !

सही/- Sita Ram Mahto
Advocate
30.7.15

{प्रारूपकर्त्ता}
तारीख:-

प्रमाणित किया जाता है कि इस विक्रय पत्र दस्तावेज के कुल छः पृष्ठों में कुल 652 शब्द टंकित हैं जो खण्डन रहित वो नक्शा के साथ संलग्न है ।

टंकक
मो० महबूब
30.7.2015
मो० महबूब
कचहरी परिसर,
सिमडेगा !